৯

এল যে শীতের বেলা বরষ-পরে,
এবার ফসল কাটো, লও গো ঘরে ॥
করো ত্বরা, করো ত্বরা,
কাজ আছে মাঠ-ভরা—
দেখিতে দেখিতে দিন আঁধার করে ॥
বাহিরে কাজের পালা হইবে সারা
আকাশে উঠিবে যবে সন্ধ্যাতারা—
আসন আপন হাতে   পেতে রেখো আঙিনাতে
যে সাথি আসিবে রাতে তাহারি তরে ॥

II { গা মা গা | রা সা রা I গা গা (-রা | -রপা -া -জ্ঞা) } I -া | -া -া -া I
এ ল যে শী তে র বে লা • • • • • • • • •

I গা পা পা | পজ্ঞা ধপা -জ্ঞা I গা মা গা | রা সা রা I
ব র ষ প• রে• ০ এ ল যে শী তে র

I গা গা -া | -া গা গা I গপা পা -া | পজ্ঞা পা -া I
বে লা • • এ বার্ ফ• স ল্ কা টো •

I -া -া -া | -া -া -া I পা -না না | নধা পা -জ্ঞা II
• • • • • • ল ও গো ঘ রে •

-া গা গা II পা পা -া | -া পা ধা I র্সা র্সা -া | -া -া -া I
০ ক রো ত্ব রা ০ • ক রো ত্ব রা • • • •

I { পা পা -গা | পা পা -ধা I ধর্সা র্সা -া | -া -া -া I
ত্ব রা • ক রো ০ ত্ব• রা • • • •

I পা -র্সা র্সা | না ধা -া I পনা না -ধা | -পা -া -া } I
কা জ্ আ ছে মা ঠ্ ভ॰ রা ॰ ॰ ॰ ॰

I পা না না | নধা পা হ্মা I গা -া -া | -া -া -সা I
দে খি তে দে খি তে দি ॰ ॰ ॰ ॰ ন্

I সগা গা -া | গরা সা -রা II
আঁ॰ ধা র্ ক রে ॰

-া -া -া II সা ঋা ঋা | ঋা ঋা -া I ঋা সা -ধ্া | -সা -া -া I
॰ ॰ ॰ বা হি রে কা জে র্ পা লা ॰ ॰ ॰ ॰

I সা -ঋা ঋা | ঋা সা -া I সপা পা পা | পা পা পহ্মা I
হ ই বে সা রা ॰ আ॰ কা শে উ ঠি বে॰

I পা দা -া | -হ্মা -া -া I গা -মা মা | মা গা -া I
য বে ॰ ॰ ॰ ॰ স ন্ ধ্যা তা রা ॰

I পা পা -গা | পা পা -ধা I ধর্সা র্সা -া | র্সা র্সা -া I
আ স ন্ আ প ন্ হা॰ তে ॰ পে তে ॰

I র্সা র্সা -না | ধা ধা -পনা I ধনা ধপা -া | -হ্মা -গা -া I
রে খো ॰ আ ঙি ॰॰ না॰ তে॰ ॰ ॰ ॰ ॰

I গা গনা না | নধা পা হ্মা I গমা মগা -া | -া -া -া I
যে সা॰ থি আ সি বে রা॰ তে ॰ ॰ ॰ ॰

I সগা গা গা | গরা সা -রা II II
তা॰ হা রি ত রে ॰